शौर्य वन में दिखेगी ब्रह्मोस की झलक

अजय श्रीवास्तव • जागरण

लखनऊ: इस बार वन क्षेत्रों को सात नाम मिलेंगे। किसी वन का नाम शक्ति होगा तो किसी का शौर्य। इसका उद्देश्य समाज के हर वर्ग को हरियाली से जोड़ना है। जैसे सरोजनी नगर के भटगांव में ब्रह्मोस फैसिलिटी क्षेत्र में वन क्षेत्र का नाम शौर्य रखा गया है। इसके पीछे का मकसद यह है कि पहलगाम हमले के बाद भारत के पाक पर हुए हमले में ब्रह्मोस मिसाइल ने अहम भूमिका निभाई थी। नौ जुलाई से पौधारोपण अभियान का शुभारंभ होना है और लखनऊ की हरियाली में 38.71 लाख को और जोड़ा जाएगा।

तराबट के साथ ही विरासत की याद दिलाते हैं ये पेड़ : राणा प्रताप मार्ग पर एनबीआरआइ परिसर में लगा बरगद का पेड़ आजादी की जंग की याद दिलाता है। नवंबर 1857 के दरम्यान वीरांगना ऊदा देवी ने इस बरगद के पेड़ पर ही चढ़कर अंग्रेजों से मोर्चा लेते हुए कई अंग्रेज सैनिकों को मौत के घाट उतारा था। बरगद के इस पेड़ को राज्य जैव विविधता बोर्ड ने विरासत के पेड़ का दर्जा दिया था।

लखनऊ अयोध्या रोड पर इस तरह से लगाए जा रहे पेड़ • वन विभाग

इस बार अलग-अलग वन क्षेत्र बनाकर उन्हें नया नाम दिया जा रहा है। इस बार फलदार और छायादार पौधों को अधिक से अधिक रोपने का लक्ष्य रखा गया है। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में वन क्षेत्रों में इजाफा होगा।

सितांशु पांडेय, डीएफओ (अवध)

प्रजाति

फलदार: आम, जामुन, अमरूद, कटहल, बेर, इमली,

ईंधन: बबूल, ढाक, कंजी, सिरस, अकेसिया, आरीकुलीफार्मिस, अर्जुन,

चारा: अर्रू, बकैन, कचनार

औषधि: तुलसी, सहजन, गिलोय, शतावरी, अश्वगंधा

इमारती लकड़ी: बांस, शीशम, सागौन, महुआ, कठ, सागौन

फूल: गुड़हल, बाटलब्रश, गुलाब, चांदनी, रातरानी

कहां कौन सा वन क्षेत्र

एकता वन: बीबीएयू

शौर्य वन: सरोजनीनगर भटगांव में ब्रम्होस फैसिलिटी क्षेत्र

खाद्य वन: थरी ग्राम मलिहाबाद

आक्सी वन: कुकरैल पिकनिक स्पाट

शक्ति वन: पुरसैनी मोहनलालगंज

गोपाल व त्रिवेणी वन: सभी वन रेंज

लखनऊ वन क्षेत्र (भारतीय वन सर्वेक्षण संस्थान की रिपोर्ट)

- कुकरैल रेंज में आम का पेड़ उम्र 150
- बख्शी का तालाब के तिवारीपुर रेंज पीपल का पेड़ उम्र 100 वर्ष।
- नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान (चिड़ियाघर) में पारिजात के तीन पेड़ हैं, जो सवा सौ साल से अधिक पुराने हैं। दशहरी गांव का दशहरी आम के पेड़ की उम्र दो सौ वर्ष से अधिक बताई जाती है और विश्व भर में प्रसिद्ध दशहरी आम का मात वृक्ष (मदर ट्री) इसे कहा जाता है।
- 1936 में लखनऊ आए महात्मा गांधी ने गोखले मार्ग पर बरगद का पौधा रोपा था, जो आज छाया दे रहा है।

पौधारोपण क्षेत्र में वृद्धि

2021 में 15 .32 प्रतिशत

2023 में 15 .87 प्रतिशत

2021 में वन आवरण में वृद्धि 833 हे.

2023 में वन आवरण में वृद्धि 262 हे.

सहजन भंडारा: प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवासीय योजनाओं के लाभार्वितों को सहजन के पौधों का वितरण होगा।